

शिव जाट किसान छात्रावास, शाहपुरा, भीलवाड़ा

1. छात्रावास का नाम व पता — शिव जाट किसान छात्रावास, शाहपुरा, भीलवाड़ा
कलिंगरी गेट, शाहपुरा, भीलवाड़ा

रजिस्ट्रेशन — 152/भीलवाड़ा/2005-06 दिनांक 18.01.2006

संचालक संस्था — शिव जाट छात्रावास समिति, शाहपुरा

2-इतिहास — शाहपुरा में किसान समाज के लिए छात्रावास बनाने का पूरा श्रेय श्री हजारीराम भीचर को जाता है। श्री हजारीराम जी भीचर का जन्म मॉ केलादेवी की कोख से 1915 में हुआ। पिता सुरजमल जी अनपढ़ थे। पुत्र को पढ़ाने के लिए चिन्तित रहते थे, गाँव में विद्यालय नहीं होने से एवं आर्थिक स्थिति कमजोर होने से पढ़ाई नहीं कर पाए। कुशाग्र बुद्धि होने से गाँवों में साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए उस समय रात्रि पाठशालाएँ चलती थी, उनमें जाकर उन्होंने अक्षर ज्ञान लिया। शाहपुरा के स्वतंत्रता सेनानी श्री लक्ष्मीदत्त जी कठिया के साथ मिलकर "जाट समाज को आगे बढ़ाने एवं शिक्षित करने के लिए तत्कालीन राजा श्री सुदर्शन देव सिंह से मिलकर, कलिंगरी गेट स्थित तत्कालीन धर्मशाला, जिसमें 02 हॉल व 01 केलुपॉश कमरा बने हुए थे। जाट समाज के लिए छात्रावास हेतु सन् 1980 में 25 हजार रुपये में आधा बीघा जमीन खरीदकर रजिस्ट्री करवाई एवं आधिपत्य लेकर 05 से 10 छात्रों को पढ़ाई हेतु रखा, जो कि सभी समाजों के थे। सन् 1980 से लेकर 1989 तक श्री हजारी जी कों श्री लक्ष्मीदत्त जी ने छात्रावास में और निर्माण और समाज की कार्यकारिणी गठित कर छात्रावास की व्यवस्था सुचारु-रूप से चलाने की सलाह दी। इसके बाद श्री हजारी राम ने जाट समाज की मीटिंग शाहपुरा छात्रावास में 26.03.1989 को रखी गई, जिसमें प्रथम कार्यकारिणी का गठन किया गया, जो निम्न प्रकार थी—

प्रथम कार्यकारिणी — दिनांक 26.03.1989 से 15.08.1991

क्र. सं.	नाम	पद
1.	श्री हजारी राम भीचर	अध्यक्ष
2.	श्री सुखदेव गोदार, व श्री रघुनाथ माडिया	उपाध्यक्ष
3.	श्री बन्नालाल चौधरी	सचिव
4.	श्री सोजीराम गुग्गड़	सह सचिव
5.	श्री रामधन सुरसुन्दिया	कोषाध्यक्ष
6.	श्री जगदीश चन्द्र बारोड़िया	संरक्षक
7.	श्री रामधन जी पटेल	परामर्शदाता

उक्त कार्यकारिणी ने गाँवों से राशि एकत्र कर पुराने हॉल के पास दोनों तरफ चार-चार कमरों का निर्माण करवाया एवं एक कमरा अलग से बनवाया कुल 09 कमरों का निर्माण करवाया गया। 10-12 विद्यार्थी अध्ययन हेतु रहते थे, जिनको निःशुल्क रखा जाता था।

द्वितीय कार्यकारिणी – दिनांक 15.08.1991 से 22.05.1995

क्र. सं.	नाम	पद
1.	श्री हजारी राम भींचर	संरक्षक
2.	श्री श्री रघुनाथ माडिया	अध्यक्ष
3.	श्री रामनाथ जी सोराणा	वरिष्ठ उपाध्यक्ष
4.	श्री सोजीराम गुग्गड़	सचिव
5.	श्री रामधन जी सरसुन्दिया, श्री बालु जी जिजवाड़िया	उपाध्यक्ष
6.	श्री जगदीश चन्द्र बारोड़िया	कोषाध्यक्ष
7.	श्री भंवर धोलिया, श्री रामसुध डिया	प्रचार मंत्री

पिछले प्लॉट पर साफ सफाई करवाकर चार दिवारी का निर्माण कराया गया। साथ ही विजयनगर रोड़ पर दुकानों का निर्माण करवाया, जिसमें समाज की विभूतियों की जयन्तियाँ मनाई जाती है। चार कमरें चार दानदाताओं द्वारा 1992 में बनाये गये, जिनका 10.09.1993 को उद्घाटन श्री भरत जी मीणा आईएएस जिलाधीश भीलवाड़ा व श्री रणजीत सिंह जी गठाला प्रबधक रा. रवा. ग्राम उद्योग बोर्ड जयपुर के कर कमलों से हुआ।

तृतीय कार्यकारिणी – दिनांक 22.05.1995 से 18.07.1999

क्र. सं.	नाम	पद
1.	श्री हजारी राम भींचर	संरक्षक
2.	श्री सुरजकरण जी ज्याणी	अध्यक्ष
3.	श्री रामधन जी भींचर	वरिष्ठ उपाध्यक्ष
4.	श्री रामप्रसाद जी गोरा	सचिव
5.	श्री प्रहलाद जी ठकीवाल	उपाध्यक्ष
6.	श्री जगदीश चन्द्र बारोड़िया	कोषाध्यक्ष

पूर्व केन्द्रिय मंत्री एवं सांसद श्री नाथूराम जी मिर्धा के सहयोग से उनकी माताजी, श्रीमती गोगा बाई की स्मृति में एक कमरा व अखिल भारतीय जाट महासभा अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद कुवर विश्वेन्द्र सिंह जी डीग

भरतपुर के सहयोग से निर्मित कमरों का उद्घाटन 03.03.1996 श्री सांवरमल जी जाट सहायता एवं अकाल राहत मंत्री एवं डॉ. रतन लाल जी जाट जिला प्रमुख के कर कमलों से किया गया।

चतुर्थ कार्यकारिणी – दिनांक 18.07.1999 से 28.07.2002

क्र. सं.	नाम	पद
1.	श्री हजारी राम भींचर	संरक्षक
2.	श्री मखन जी बुगालिया	अध्यक्ष
3.	श्री पृथ्वीराज	सलाहाकार
4.	श्री रामप्रसाद जी गोरा	सचिव
5.	श्री रामधन जी सरसुन्दिया, श्री प्रहलाद जी	व. उपाध्यक्ष
6.	श्री शिव नारायण जी थीरोदा	कोषाध्यक्ष
7.	श्री कृष्ण गोपाल	वार्डन
8.	श्री रामगोपाल जी भण्डारी	संगठन मंत्री

पंचम कार्यकारिणी – दिनांक 28.07.2002 से 11.12.2005

क्र. सं.	नाम	पद
1.	श्री मखन जी बुगालिया	संरक्षक
2.	श्री उगमलाल जी	अध्यक्ष
3.	श्री पृथ्वीराज	कानूनी-सलाकार
4.	श्री रामप्रसाद जी गोरा	सचिव
5.	श्री रंगलाल जी एवं श्री बाबूलाल जी	उपाध्यक्ष
6.	श्री शिव नारायण जी थीरोदा	कोषाध्यक्ष
7.	श्री जगदीश जी	प्रचार मंत्री

इनके कार्यकाल में संस्था का रजिस्ट्रेशन सं. 152/भीलवाड़ा/2005-06

षष्ठम कार्यकारिणी – दिनांक 11.12.2005 से 12.06.2011

क्र. सं.	नाम	पद
1.	श्री उगमलाल ढकीवाल, श्री बद्रीलाल घसवा, श्री लक्ष्मण भदाला,	संरक्षक
2.	श्री महावीर चणीया	अध्यक्ष
3.	श्रीरामधन थरोदा, श्री शिवराज बिरवाड़िया	उपाध्यक्ष
4.	श्री भंवरलाल धौल्या	कोषाध्यक्ष
5.	श्री जगदीश चन्द्र बारोदिया	सचिव

क्र.सं.	नाम	पद
1.	श्री बहादुर सिंह की बुरड़क	हॉस्टल वार्डन

इस अवधि में नायकों की कुई की तरफ के कमरें तोड़कर 14 कमरें मय बरामदे के निर्माण कार्य कराया साथ ही 5— 5 लेट—बॉथ का निर्माण करवाया। इस छात्रावास के संस्थापक, संचालक, भूमि के दानवीर, कर्मयोगी, समाजहितेशी श्री हजारी राम भीचर 16.02.2001 को देवलोक सिधार गये, उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाते हुए दिनांक 18.02.2008 को श्री रामचन्द्र जाट पूर्व विधान सभा अध्यक्ष, श्री रामलाल जाट विधायक हुरड़ा बनेड़ा, श्री राजाराम जी मील, एवं श्री रणजीत सिंह घठाला आई.ए.एस के कर कमलो द्वारा श्री हजारीराम जी भीचर की मूर्ति का अनावरण किया गया, साथ ही प्रतिभावान छात्र—छात्राओं का सम्मान किया गया।

सप्तम कार्यकारिणी – दिनांक 12.02.2011 लगातार

क्र. सं.	नाम	पद
1.	श्री उगमलाल ढकीवाल, श्री बद्रीलाल घसवा, श्री लक्ष्मण हरितवाल, श्री महावीर जी चणीया, श्री रतन बुगालिया, श्री भवर धौल्या, श्री किशन गोदारा	संरक्षक
2.	श्री बन्नालाल कस्वां	अध्यक्ष
3.	श्री विश्वराम खिखड़ेल, श्रीरामधन थरोदा, श्री जगदीश मालोदिया, श्री कैलाश डीया	उपाध्यक्ष

4.	श्री रामनाथ सोराणा	कोषाध्यक्ष
5.	श्री सोकरण थरोदा	प्रचार मंत्री
6.	श्री जगदीश चन्द्र बारोदिया	सचिव

वर्तमान में कोई वार्डन है छात्र अपने स्तर पर पढाई कर रहे है। निःशुल्क छात्र अध्ययन एवं कोचिंग क्लासेज बाहर अटेण्ड कर रहे है। वर्तमान में मैस व्यवस्था छात्रो द्वारा स्वयं के स्तर पर कर रखी।

3-भौतिक संसाधन –

दानदाता सूची –

4. **विद्यार्थी विवरण** – वर्तमान में कोई वार्डन है लगभग 30 छात्र अपने स्तर पर पढाई कर रहे है। निःशुल्क छात्र अध्ययन एवं कोचिंग क्लासेज बाहर अटेण्ड कर रहे है। वर्तमान में मैस व्यवस्था छात्रो द्वारा स्वयं के स्तर पर कर रखी।

5-